प्रतिवेदन

विषय – अर्थशास्त्र

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा रचित तथा एस.सी.ई.आर.टी. छ.ग. द्वारा स्वीकृत व छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू की गई पाठ्यपुस्तक अर्थशास्त्र पर कक्षा ग्यारहवीं पढ़ाने वाले शिक्षकों का उन्नमुखीकरण कार्यक्रम **शहनाई विसलिंग वुड, रायपुर में संपादित हुआ।**

उन्मुखीरकण 3 चरण में आयोजित किया गया था जो कि निम्नानुसार है–

क्र	विषय	दिनांक	जिला	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
1	अर्थशास्त्र	19.06.2017 से 20.06.2017 तक	रायपुर, कांकेर, धमतरी, बस्तर, सुकमा नारायणपुर, कोरबा, दुर्ग, राजनांदगांव, सरगुजा, सूरजपुर, कोण्डागांव, दंतेवाडा, जशपुर	287
2	अर्थशास्त्र	21.06.2017 से 22.06.2017 तक	बिलासपुर, बलौदाबाजार, बेमेतरा, मुंगेली कोरिया, कबीररधाम, बलरामपुर, रायगढ, जांजगीर, गरियाबंद, महासमुंद बालोद, बीजापुर	294
3.	अर्थशास्त्र	23.07.2017 से 26.07.2017 तक	समस्त जिला	212

विषय	जिला	लक्ष्य	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या	शेष
अर्थशास्त्र	समस्त जिला	1146	793	353

प्रतिभागी – समस्त जिलों की हायर सेकण्डरी शालाओं में कक्षा ग्यारहवीं अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले व्याख्याता/व्याख्याता पंचायत

स्रोत व्यक्ति –

1. प्रो.पी. प्रसाद, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
2. डॉ. आर. के. ब्रहमे, प्रोफेसर, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर
3. डॉ. रक्षा सिंह, प्राचार्य, शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी, भिलाई
4. डॉ. भरतद्वाज, सेवानिवृत अधिष्ठाता, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर
5. श्रीमती प्रभा सेठ, पी.जी.टी., केन्द्रीय विद्यालय, डब्लू आर.एस.कालोनी, रायपुर
6. श्रीमती सीमा सान्याल, पी.जी.टी., कृष्णा पब्लिक स्कूल डुंडा, रायपुर

उपरोक्त विषयांतर्गत उल्लेखित तिथियों पर व्याख्याताओं हेतु 2–2 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें निम्नालिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गई –

- श्रीमती सीमा सान्याल पी.जी.टी., कृष्णा पब्लिक स्कूल डूंडा, रायपुर द्वारा अर्थशास्त्र में सांख्यकी, विधियों के उपयोग द्वारा अध्याय 01 से अध्याय 09 तक सभी पाठों को क्रमशः किस तरह बच्चों के सम्मुख रखा जाये। बच्चों को किन–किन पाठों में व वहाँ–वहाँ दिक्कते आती है पर बात किया गया।
- प्रो.पी. प्रसाद विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था व अर्थिक सुधार पर बातचीत की गई।

- श्रीमती प्रभा सेठ द्वारा प्रश्नों के तरीके पर बात की गई।
- डॉ. आर. ब्रहमे प्रोफेसर पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास, जी.एस.टी., शेयर मार्केट, टैक्स, डालर, इत्यादि पर बात की गई।
- डॉ. भरद्वाज द्वारा आर्थिक विकास की नीतियों, नीति आयोग, महिला पुरूष असमानता, युवाशक्ति, संसाधन, प्राथमिक्ता चयन, हरित क्रांति आदि पर चर्चा की गई।
- डॉ. रक्षा सिंह, द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ, पंचवर्षीय योजनाएँ, माध्य माध्यिका बहुलक, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर समूह कार्य की बात कही।

उन्मुखीकरण कार्यशाला से प्राप्त अभिमत :–

- एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्व में प्रचलित पाठ्यपुस्तकों में अवधारणाओं के आधार पर अंतर नहीं है। अवधारणाओं के प्रस्तुतीकरण का तरीका थोड़ा अलग है।
- एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास कार्य में मुख्यतः आंकिक प्रश्नों पर अधिक जोर है तथा प्रश्नों की संख्या अधिक है।
- एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्यपुस्तकें चूंकि मूलतः अंग्रेजी में लिखी गई हैं तथा उनके हिन्दी अनुवाद में प्रचलित शब्दों का प्रयोग नहीं है व अंग्रेजी शब्दावली भी नहीं दी गई है अतः समझने में कठिनाई हो रही है।
- एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तकों के चित्र अच्छे हैं तथा पुस्तक की मोटाई तथा कीमत स्थानीय स्तर पर लेखकों द्वारा लिखी गई किताबों से कम है। इसका अच्छा परिणाम प्राप्त होगा बच्चे किताबों को देखकर डरेंगे नहीं तथा पढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे।
- ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे आगे की पढ़ाई कहाँ कर सकते है इसकी जानकारी शालाओं के द्वारा दी जानी चाहिए।
- Assessment किस प्रकार किया जाएगा यह भी शिक्षकों को सत्र के प्रारंभ में ही स्पष्ट होना चाहिए।
- मेरिटोरियस बच्चों की कॉपियाँ वेबसाइट पर डाली जाएं ताकि अन्य बच्चे उन्हें देख सकें।
- शिक्षक आपस में संचार माध्यम से जुड़े तथा एक–दूसरे से चर्चा करें।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के पश्चात किए गए जा रहे कार्य–

- राज्य स्तर तथा जिला स्तर पर टीचिंग लर्निंग कॉर्नर की स्थापना। जिसका उद्देश्य शिक्षकों की विषयगत कठिनाईयों पर चर्चा तथा अवधारणा के प्रस्तुतीकरण की पेडागॉजी को साझा करना। विभिन्न जिलों के साथियों से चर्चा कर बातचीत की जा रही है तथा प्राप्त विचारो समावेश शिक्षक संदर्शिका में किया जा रहा है।
- शिक्षक संदर्शिका (Handbook) का निर्माण जिसके प्रमुख बिन्दु निम्नालिखित होंगे–
  - ✓ लर्निंग कॉर्नर की कार्य प्रणाली संबंधी।
  - ✓ प्रशिखण के दौरान शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत पेडागॉजी में से चयनित उदाहरण।
  - ✓ अतिरिक्त अध्ययन सामग्री।
  - ✓ प्रश्नों का समावेश।
  - ✓ हिन्दी के कठिन शब्दों के लिए सरलतम हिन्दी शब्दों का चयन अंग्रेजी शब्द का समावेश करना।
  - ✓ आगे अर्थशास्त्र का अध्ययन कहाँ–कहाँ किया जा सकता है का उल्लेख किया जाएगा।
  - ✓ अर्थशास्त्र के अध्ययन पश्चात छात्रो के लिए आगे के लिए किस तरह की दिशा मिल सकती है।